

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है

मैहर। मां शारदा की धार्मिक नगरी मैहर स्थित फनसिटी वाटर पार्क में रविवार को आरोग्य भारती महा कौशल प्रांत की प्रांतीय बैठक संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी रहे। मुख्य वक्ता आरोग्य भारती के स्वस्थ ग्राम योजना के राष्ट्रीय संयोजक भोलानाथ,विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने एवं नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी सहित आरोग्य भारती के पदाधिकारी,समाज के विभिन्न वर्गों के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके पश्चात मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने आरोग्य भारती के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। समाज में स्वस्थ जीवनशैली एवं स्वास्थ्य चेतना विकसित करने के लिए संस्था द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। आयोजक मंडल द्वारा मंचासीन अतिथियों का अंगवस्त्र , श्रीफल,पुष्पमाला एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता ने आरोग्य भारती के उद्देश्यों एवं कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए केवल चिकित्सा ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता,संतुलित आहार,योग, प्राकृतिक जीवनशैली,स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को भी जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। वक्ताओं ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ एवं संतुलित पर्यावरण भी उतना ही आवश्यक है जितना व्यक्ति का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय ने आरोग्य भारती के आयोजन की सराहना करते हुए इसे स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सहभागिता की दिशा में सार्थक पहल बताया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले नागरिकों को भी स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सहयोग के लिए फनसिटी वाटर पार्क के संचालक नागेन्द्र प्रताप सिंह का भी सम्मान किया गया।जिला कार्यकारिणी का गठनप्रांतीय बैठक के दौरान आरोग्य भारती जिला मैहर की कार्यकारिणी का औपचारिक गठन किया गया।



जिला अस्पताल में प्रसूता की मौत, परिजनों ने डॉक्टरों पर लगाया लापरवाही का आरोप

सतना। जिला अस्पताल से स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और डॉक्टरों की कथित लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहाँ प्रसव के बाद अत्यधिक रक्तस्राव होने से एक प्रसूता की मौत हो गई। घटना के बाद से ही मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और उन्होंने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। जानकारी के अनुसार,उचेहरा निवासी नारायण दास चौधरी अपनी पत्नी बबीता को सामान्य स्थिति में डिलीवरी के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुँचे थे। परिजनों का कहना है कि बबीता का प्रसव सामान्य (नॉर्मल) हुआ था,लेकिन डिलीवरी के तुरंत बाद उसे अचानक से तेज ब्लडिंग (रक्तस्राव) शुरू हो गई। पति नारायण दास का आरोप है कि उन्होंने बार-बार डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को स्थिति की गंभीरता बताई,लेकिन उन्होंने समय पर सही इलाज नहीं दिया और ब्लडिंग को

होटल भरहुत के सामने दो पक्षों में खूनी झड़प, कार में तोड़फोड़ के बाद मची अफरा-तफरी

सतना। शहर के सिविल लाइन इलाके में स्थित होटल भरहुत के सामने देर रात उस समय सनसनी फैल गई,जब दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर जमकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष गाली-गलौज करते हुए हाथापाई पर उतर आए। इस दौरान उग्र हुए लोगों ने मौके पर खड़ी एक कार में जमकर तोड़फोड़ की,जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।घटना रविवार देर रात की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,विवाद की वजह से मुख्य सड़क पर काफी देर तक हड़कंप और अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। चीख-पुकार और गाड़ियों में तोड़फोड़ की आवाज सुनकर आसपास के लोग एकत्र हो गए,लेकिन विवाद इतना उग्र था कि किसी ने बीच-बचाव करने की हिम्मत नहीं दिखाई। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस की टीम भारी बल के साथ मौके पर पहुँची। हालाँकि,पुलिस के पहुँचने से पहले ही कुछ असामाजिक तत्व मौके से भागने में सफल रहे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को कब्जे में ले लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। सिविल लाइन पुलिस मामले की जाँच में जुट गई है और उपद्रवियों की पहचान की जा रही है।



कराटे केवल आत्मरक्षा की कला नहीं बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण का भी सशक्त माध्यम है: चतुर्वेदी

मैहर। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और बच्चों एवं युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, साहस तथा खेल भावना विकसित करने के उद्देश्य से मानवएकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट,मैहर द्वारा मैहर डिस्ट्रिक्ट कराटे चैंपियनशिप 2026 का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया।प्रतियोगिता में मैहर एवं अमदरा क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 200 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी रहे जब कि कार्यक्रम की अध्यक्षता विजय चोपड़ा ने की। विशिष्ट अतिथियों में सौराज पांडेय,सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता



संतोष सोनी,सिटी मैनेजमेंट मैनेजर प्रवीण तिवारी,मिनी लैंड संचालिका बलजीत सिंह होरा,ब्ल्यू बेल्स संचालक राकेश चोपड़ा एवं एल्डरमैन पार्श्व एवं कल्लू पाल,एल्डर मैन राजू पटेल,अनिकेत पाल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा की वंदना एवं मुख्य अतिथि श्रीकांत चतुर्वेदी के द्वारा मां जननी शारदा माता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात विभिन्न आयु एवं भार वर्गों में कराटे प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी शारीरिक क्षमता के साथ-साथ अनुशासन,एकाग्रता,आत्म विश्वास,धैर्य और खेल भावना का परिचय दिया।

सोहावल मोड़ की जर्जर सड़क से परेशान लोगों का फूटा गुस्सा



सड़क पर धरने से लगा लंबा जाम

गड़ों के कारण पैदल चलना भी दुश्वार हो गया है। कई बार शिकायत करने के बावजूद जब जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया,तो उन्हें मजबूरन सड़क पर उतरना पड़ा। चक्काजाम और प्रदर्शन की सूचना मिलते ही सिविल लाइन टीआई पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुँचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम राहुल सिलाडिया भी घटनास्थल पर पहुँचे और आक्रोशित लोगों से चर्चा की। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार स्थानीय लोगों को समझा-बुझाकर धरना समाप्त कराने और सड़क की मरम्मत का आश्वासन देने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन नागरिक पक्के निर्माण का ठोस भरोसा चाहते हैं।

सतना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र सोहावल मोड़ पर लंबे समय से बदहाल और जर्जर पड़ी सड़क से त्रस्त आकर आखिरकार स्थानीय नागरिकों के सब्र का बांध टूट गया। सड़क निर्माण की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने उग्र रुख अपनाते हुए बीच सड़क पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। सड़क पर लोगों के बैठने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और भीषण ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सड़क इतनी जर्जर हो चुकी है कि आए दिन यहाँ दुर्घटनाएँ होती रहती हैं। उड़ती धूल और बड़े-बड़े

वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई ने मनाया हरियाली तीज सावन महोत्सव

मैहर। वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई मैहर के तत्वावधान में यश पैलेस मैहर में हरियाली तीज सावन महोत्सव का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अध्यक्षता वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई जिला अध्यक्ष डॉली मनोज गुप्ता ने की। आयोजन में बड़ी संख्या में महिला सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सावन के रंग में रंगी नजर आई। कार्यक्रम में महिलाओं ने हरे परिधानों,हरी चूड़ियों एवं आकर्षक श्रृंगार के साथ डांस,नृत्य एवं विभिन्न मनोरंजक खेलों का आनंद लिया।पूरे आयोजन में सावन के गीतों और उल्लास का माहौल रहा। हरियाली तीज के अवसर पर महिलाओं को उपहार भेंट



कर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर शिवानी अग्रवाल सहित वैश्य महासम्मेलन की अनेक बहनें उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संतोष गीता सोनी रहीं जब कि अध्यक्षता महिला इकाई की अध्यक्ष डॉली मनोज गुप्ता ने की। सभी अतिथियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की सभी बहनें एक परिवार की तरह हैं और सभी के सहयोग एवं प्रेम से ही ऐसे आयोजन सफल होते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई की पूरी कार्यकारिणी उनकी ताकत है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों के सम्मान में गूंगा मैहर बैंड का सुरु



अनूठी धरोहर है। इसके माध्यम से भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा और सांस्कृतिक विविधता को विदेशी प्रतिनिधियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मैहर बैंड की प्रस्तुति और नल तरंग के वादन ने पूरे वातावरण को भारतीय संस्कृति और संगीत की मधुरता से सराबोर कर दिया।

मैहर के ईटहरा गाँव में शराबी का हाई वोल्टेज ड्रामा

सतना। मैहर जिले के ईटहरा गाँव से एक अजीबोगरीब और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ शराब के नशे में धुत एक युवक ने आंगनबाड़ी केंद्र में जमकर उत्पाद मचाया। आरोपी ने न केवल इयूटी पर तैनात महिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ मारपीट की,बल्कि आंगनबाड़ी केंद्र के मुख्य गेट को बाहर से बंद कर महिला को अंदर ही कैद कर दिया। घटना के दौरान मौके पर भीड़ जमा हो गई।जब ग्रामीणों ने आरोपी को चेतावनी दी कि मामले की शिकायत पुलिस से की जा रही है,तो शराबी का मिजाज अचानक बदल गया। पुलिस का नाम सुनते ही आरोपी का 'हाई वोल्टेज ड्रामा' शुरू हो गया। वह डर के मारे जमीन पर लेट गया और दंडवत प्रणाम करते हुए पुलिस से बख्श देने की गुहार लगाणे लगा। उसका यह ड्रामा देखकर मौके पर मौजूद लोग दंष्टा रह गए।

नागौद-उचेहरा मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत



मरच्यूरी में बदहाली से परिजन परेशान

सतना। नागौद-उचेहरा मार्ग पर धनेह गांव के पास सोमवार को हुए एक भयानक सड़क हादसे में 52 वर्षीय महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान मैहर जिले के रीवारा भदनपुर निवासी सुशीला सोनी (52),पति विनोद कुमार सोनी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुशीला सोनी अपने परिजन के

साथ मोटरसाइकिल से सरला नगर से जसो स्थित अपनी बुआ सास के घर जा रही थीं। हाल ही में बुआ सास के बड़े बेटे का निधन हो गया था,जिसकी 'द्वार की रस्म' में शामिल होने के लिए वे जा रही थीं। जैसे ही उनकी बाइक धनेह गांव के पास पहुँची,पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुशीला सड़क पर गिर गई और गंभीर चोटें आने से उनको मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही प्रधान आरक्षक रामकरण मुंसी व आरक्षक अनिल यादव ने मौके पर पहुँचकर शव को अस्पताल भिजवाया। वहीं दूसरी ओर,अस्पताल के मरच्यूरी (शवगृह) में नगर परिषद की अनदेखी के चलते गंदगी और अव्यवस्था का आलम रहा। बदहाल सफाई व्यवस्था के कारण मृतका के परिजनों,डॉक्टरों और पुलिसकर्मियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। परिजनों ने प्रशासन से अज्ञात वाहन चालक की जल्द गिरफ्तारी और मरच्यूरी की सफाई व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

ख़बर संक्षेप

विश्व आदिवासी दिवस पर गायत्री सत्संग भवन में हुआ वृक्षारोपण



पवई। विश्व आदिवासी दिवस के पावन अवसर पर गायत्री सत्संग भवन, पवई में “एक पेड़ माँ के नाम” अभियान के तहत सामूहिक रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया गया। वृक्षारोपण के माध्यम से लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पौधों की नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण को हरा-भरा बनाने में अपनी भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रहलाद बेहरे, पवई ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि विश्व आदिवासी दिवस जैसे पावन अवसर पर प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी नियमित देखभाल का संकल्प ले। उन्होंने कहा कि एक पेड़ केवल पर्यावरण को स्वच्छ और संतुलित रखने में योगदान नहीं देता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की नींव भी मजबूत करता है।

सिमरिया में गूंजे मोले के जयकारे, कांवड़ यात्रियों का सभी ग्राम वासियों ने पुष्प वर्षा से किया मत्स्य स्वागत



पन्ना। सनातन धर्म में सावन का महीना बहुत ही महत्वपूर्ण होता है सावन के दूसरे सोमवार को सिमरिया जगन्नाथ मंदिर से प्राचीन भोमेश्वर अमहा तक विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया कांवड़ समिति के द्वारा फूलमाला ढोल नगाड़े एवं जेसीबी मशीन से पुष्प वर्षा के साथ-साथ जगह-जगह भक्तों का स्वागत किया गया कांवड़ यात्रा में 100 किलो वजन तक की कांवड़ लेकर भक्त भोले को जल अर्पित करने श्रद्धा भक्ति उमंग नृत्य करते हुए भोले के जयकारे लगाते हुए चले जाते है कावड़ यात्रा में महिलाएं बच्चे बूढ़े बुजुर्ग भारी संख्या में शामिल हुए धार्मिक यात्रा का नजारा इतना सुंदर और मनमोहक था कि जहां-जहां से यात्रा निकल रही थी लोग देखते ही मंत्रमुग्ध हो गये जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा सावन के महीने में सभी भोले भक्त प्राचीन मंदिर में जल अर्पित करने जाते हैं।

पन्ना पहुंचे अपेक्स बैंक अध्यक्ष महेंद्र सिंह का बड़ागांव रेस्ट हाउस में स्वागत बंदन अभिनंदन किया गया



पन्ना। अपेक्स बैंक भोपाल के अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव का 9 अगस्त 2026 को पन्ना प्रवास रहा। इस दौरान उन्होंने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक पन्ना के कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक कर बैंक की गतिविधियों एवं कार्यों की जानकारी ली। इसके पश्चात उन्होंने भाजपा कार्यालय पहुंचकर पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और विभिन्न जनप्रतिनिधियों से भी संवाद किया। अपने पन्ना प्रवास के दौरान महेंद्र सिंह यादव जनपद पंचायत पन्ना अंतर्गत जनपद क्षेत्र रेस्ट हाउस बड़गांव में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अरविंद सिंह के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया जिसमें साथ में रहे सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष बुजमोहन सिंह यादव जनपद के उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पांडे जी सरपंच सैलधारा राजेश यादव जी विक्रम सिंह परमार सरपंच प्रतिनिधि गौवर्ध सिंह बुंदेला राजीव गर्ग जितेन सिंह परमार रामपाल सिंह परमार मकुंद सिंह यादव प्रिस परमार के द्वारा स्वागत वंदन अभिनंदन किया गया ढोल नगाड़े पुष्प से स्वागत किया गया।

फरस्वाहा में विकास की राह में रोड़ा बनी बदहाल सड़कें, ग्रामीणों ने उठाई मूलभूत सुविधाओं की मांग

आजादी के दशकों बाद भी मूलभूत सुविधाओं को तरस रहा फरस्वाहा, ग्रामीणों को विकास का इंतजार

पन्ना। जिले की कई गांव आज भी आवागमन के मार्ग को लेकर आजादी के बाद से आज दिनांक तक परेशानियों से गुजरते हैं वहीं कहने को तो शुद्ध पेयजल घर-घर उपलब्ध कराया जायेगा। पर आज भी शुद्ध पेयजल की बनी हुई है दरकार।वहीं स्वास्थ्य को लेकर भी महज झोला छाप चिकित्सकों के भरोसे शिक्षा के नाम पर जुगाड़ जैसे हालात गांवों में शिक्षकों की कमी आज भी चर्चा का विषय। आखिर अंतिम छोर के व्यक्तियों के विकास को लेकर भाजपा सरकार पंडित दीन दयाल उपाध्याय के सपनों को सिद्धांतों को ध्यान में रखकर जमीन पर उतारने की बात तो करती है पर सच्चाई तो यह है कि आज भी आजादी के बाद के दिनों से आज तक गांवों के हालात मूलभूत सुविधाओं को लेकर वंचित होने जैसे बने हुए है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आवागमन मार्ग तथा शुद्ध पेयजल को लेकर सबसे बड़ी मुख्य जरूरतें जिनको लेकर भी आम जनता जनप्रतिनिधियों की कृपा को लेकर इंतजार करने को लेकर माना जा रहा है। आखिर कब गांवों के लिए एक निश्चित प्लान बनाकर कार्य योजना के तहत गांवों के विकास को प्राथमिकता के साथ बुनियादी सुविधाओं को ध्यान में रखकर कार्य कराये जायेंगे।

निश्चितौर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल की सराहनीय सोच मानी जा सकती है जिन्होंने नगरों की तर्ज पर गांवों में भी शमषान भूमि में शमषानों के आधुनिक सुविधाजनक तरीके से निर्माण करने को लेकर हर पंचायत के गांवों में जोर दिया। पर यह आदेश तो माननीय मंत्री जी का हो गया पर इसके निर्माण को लेकर संबंधित कार्य एजेन्सियां जो प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत ही होती है उसके पास शमषान की भूमि है कि नहीं सवाल नम्बर एक वहीं सवाल नम्बर दो शमषान के निर्माण को लेकर आज भी निश्चित मापदण्ड कब प्रभावी होंगे जिसके तहत कैसा शमषान निर्माण करवाया जाये जहां शमषान भूमि नहीं है उसको लेकर पंचायत के माध्यम से कब प्रयास होंगे इतना ही नहीं जिन गांवों की बात करते है इन गांवों में ग्राम सभा को अधिकार तो विकास को लेकर दे दिये गये पर ग्राम सभायें ही वास्तविकता में कराये जाने को लेकर प्रमुखता से पालन नहीं कराया जाता। जिसके चलते महज एक ठेकेदारी के रूप में पंचायतें कार्य करती है वहीं ग्रामों की मुख्य जरूरतें आवागमन मार्ग स्वास्थ्य सुविधायें शिक्षा में बेहतर शिक्षा के लिए शिक्षकों की कमी की पूर्ति तथा विद्यालय में किस तरह से



सुविधायें पूरी होनी चाहिए इस पर भी जुगाड़ आखिर हालात शुद्ध पेयजल की बात करें तो आज भी हेण्ड पम्पों के सहारे गांवों में पेयजल सुविधा प्रमुख मानी जाती है। वहीं लगभग दसों वर्ष बीत जाते है हैण्ड पम्पों के पाईप ही बदलने के लिए पाईपों की कमी विभाग के द्वारा बर्बाद दी जाती है नजीजा जंग लगा पानी मजबूर होकर ग्रामीण पीने को लेकर जाने जाते है शुद्ध पेयजल का सपना कब पूरा होगा घर-घर पानी का अब बात की जाती है मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविरों के माध्यम से समस्याओं के निदान की आखिर ये समस्यायें जो पंचायतों में कई गांवों में आज बनी हुई है

क्या इन समस्याओं के निदान को लेकर संबंधित पंचायत या जनपद पंचायत या जिला पंचायत या जिम्मेदार अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि गौर करेंगे। उदाहरण को लेकर अजयगढ़ जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत फरस्वाहा जहां लम्बे अर्से से आवागमन के प्रमुख मार्ग जहां से अंतिम छोर के व्यक्तियों का विकास निर्भर करता है मुख्य मार्ग से पटाही मजरा होते हुए पंचायत मुख्यालय तक आवागमन मार्ग की वहीं इसी गांव में विकास की रफतार को लेकर बसों के चलने के लिए सपना साकार हो जिसको ध्यान में रखकर मुख्य मार्ग अमाही से धोविन खोड़ा होते हुए लायंचा मुख्य मार्ग में

जोड़ा जाये ताकि वर्तमान समय में आवागमन की सुविधा जनपद मुख्यालय तक के लिए आम आदमी को बन सके। जिससे इस मार्ग में सीधे चंदला से बस सुनहरा लायंचा, फरस्वाहा, सानगुरैया, मोहनपुरवा होते हुए अजयगढ़ पहुंचेगी वैसे भी इस मार्ग से अन्य कई गांवों को लाभ आवागमन सुविधा का संभव हो सकेगा। साथ ही स्वास्थ्य की सुविधा को लेकर उप स्वास्थ्य केन्द्र की जरूरत तथा विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को पूरा किया जायें इतना ही नहीं शमषान भूमि केन नदी के किनारे जहां प्राचीन संस्कृति के अनुसार शमषान के लिए निर्माण कराया जाये। वहीं अधूरे पहुंच मार्ग को भी पूरा किया जाये। आखिरकार ये मूलभूत सुविधायें उदाहरण के तौर पर महज एक गांव की दास्ता है ऐसे कई गांव मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। आजादी के बाद आज भी मूलभूत सुविधाओं को लेकर कब जनप्रतिनिधि व जिम्मेदार अधिकारी करेंगे कृपा ताकि गांवों का विकास जो अंतिम छोर के व्यक्तियों के विकास को लेकर प्रमुख माना जाता है भाजपा सरकार का जो मुख्य सिद्धांत पंडित दीन दयाल उपाध्याय के सपनों को साकार करने की मंषा जिससे पूर्ण मानी

जाये। मुख्य मार्ग से पटाही मजरा होते हुए पंचायत भवन तक के मार्ग को लेकर पिछली विधानसभा चुनाव के दौरान से यह मांग ग्रामीणजनों की आज भी मांग ही बनी हुई है आखिर अंतिम छोर के व्यक्तियों की मांग को क्या पूरा करने को लेकर होगा गौर ताकि ग्रामीणों में मुख्यमंत्री जनविश्वास कार्यक्रम की अवधारणा पूर्ण रूप से तभी कारगर मानी जा सकती है जब आम जनता की मांग को पूरा किया जाये। प्रमुख समस्याओं के निदान को लेकर ग्राम पंचायत फरस्वाहा जो अजयगढ़ जनपद की पंचायत है जहां केन नदी के किनारे जहां प्राचीन संस्कृति इन समस्याओं की समाधान को लेकर आज भी मुख्य जरूरत। अपने लोकप्रिय विधायक विकास पुरुष के नाम से जिनकी सोच जानी जाती है कुछ समय पूर्व ग्राम पंचायत वासियों ने अपने विधायक के सामने भी इन मांगों को पूर्ण करने के लिए अपनी मांग रखी पर जरूरत है आज इन मांगों को गांव के विकास को लेकर आम आदमी की समस्या के रूप में जो सबसे बड़ी बुनियादी सुविधाओं को लेकर गांव के विकास में प्रमुख कार्यों की ताकि गांव की जनता अपने जनप्रतिनिधि के भरोसे को मानकर विकास का सपना पूरा हो सके।

अमानगंज से मढ़ेश्वर धाम पहुंची विशाल कावड़ यात्रा



बाबा मोलेनाथ की भक्ति में भक्ति मग्न ले रहे धर्म और पुण्य लाभ

अमानगंज। हिंदू सनातन संस्कृति के अति पावन माह सावन माह में देवों के देव महादेव की आराधना और पूजा करके बड़े से बड़े पापों को नष्ट करते हुए बड़े से बड़ा वरदान लिया जा सकता है और भगवान भोलेनाथ की भक्ति में भक्तगण पुरी तरह मग्न देखे जा रहे हैं गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अमानगंज नगर से विशाल कावड़ यात्रा बड़ी हनुमान मंदिर से आरंभ होते हुए नगर के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करते हुए मढ़ेश्वर धाम के के लिए रवाना हुईं जहां रस्ते रस्ते उनका स्वागत पुष्प वर्षा से भक्तों ने किया याद हो। गुनौर क्षेत्र के अंतर्गत स्थित श्री मढ़ेश्वर धाम में पहुंची विशाल कांवड़ यात्रा अमानगंज से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली कावड़ यात्रा इस वर्ष भी धूमधाम से

निकाली गई जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया यात्रा अमानगंज के बाला जी मंदिर प्रांगण से शुरू हुई पूरे यात्रा मार्ग में ग्रामवासियों ने विभिन्न स्थान पर कावड़ यात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया यात्रा बाला जी मंदिर से प्रारंभ होते हुए गौरा घटारी ग्राम पहुंची वहां लोगों ने पुष्प वर्षा के साथ यात्रा का स्वागत किया फिर यात्रा महवा ग्राम जैसे ही पहुंची वहां समस्त ग्राम वासियों ने यात्रा का धूमधाम से स्वागत किया और लोग भी यात्रा में शामिल हुए यात्रा ढोल नगाड़ों के साथ चल रही थी श्रद्धालुओं में खूब उत्सव का माहौल बना रहा यात्रा बेली हिनौती होते हुए मढ़ेश्वर महादेव मंदिर पहुंची जहां सामूहिक रूप से जलअभिषेक कर गांव और क्षेत्र में खुशहाली की कामना की गई समापन में विशाल भंडारे के साथ सारे भक्तों ने प्रसाद ग्रहण भी किया यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु महादेव की आस्था में भाव विभोर हुए दिखे।

देव पर्वत में कटोर चट्टान में बना है रहस्यमई पैर का निशान जिसे लोग भीम का पंजा कहते हैं



अजयगढ़। अजयगढ़ तहसील मुख्यालय से 8 किलोमीटर की दूरी पर एक प्रसिद्ध धार्मिक प्राचीन स्थल देव पर्वत है देव पर्वत को प्राचीन समय में देवगिरी भी कहा जाता था यह पर्वत कई रहस्यमई बातों को छुपाए हुए आज भी अटल खड़ा हुआ है यहां पर कटोर चट्टान में एक विशालकाय पैर का पंजा बना हुआ है जिसे लोग भी का निशान कहते हैं अजयगढ़ क्षेत्र विकास संघ के संयोजक श्रीराम पाठक ने देव पर्वत के अद्भुत प्राचीन गौरवशाली इतिहास के बारे में बताया कि प्राचीन समय में भगवान राम के आगमन के भी प्रमाण यहां पर मौजूद हैं जो की किले के सबसे दुर्गम स्थल में सीता रसोई नाम से मौजूद है उन्होंने बताया कि यहां पर प्राचीन समय में देवताओं का भी निवास रहा है जब स्वर्ग लोक में भगवान शंकर जी से अभय दान प्राप्त राक्षस ने आक्रमण करके अपने कब्जे में ले लिया था तो समस्त देवताओं ने वहां से पलायन करके इस पर्वत में ही शरण लिया था तभी से इसको देव पर्वत कहा जाने लगा यहां पर दैत्य गुरु शुक्राचार्य जी की पुत्री देवयानी ने भी कटोर साधना की थी और भी बहुत से ऋषि मुनियों

ने समय समय पर कटोर साधना की यहां पर कई दुर्गम गुफाएं आज भी मौजूद हैं इन्हें देखकर लगता है कि प्राचीन समय में जरूर यहां पर ऋषि मुनियों ने कटोर साधना की होगी देव पर्वत में समस्त जड़ी बूटियां पाई जाती हैं लेकिन जानकारी न होने से इनका सही उपयोग नहीं हो पता देव पर्वत में गंगा जमुना सरस्वती नाम के तीन कुंड हैं जिनका पानी अमृत के समान है दूर-दूर से लोग रोग विनाशक जड़ी बूट से मिश्रित पानी को ले जाते हैं यहां पर एक गुफा में शंकर जी की प्राचीन शिवलिंग मौजूद है जिन पर जल चढ़ाने के लिए भक्तगण कुंड के गहरे जल को तैयार करके जाते हैं और शंकर जी की पूजा अर्चना करते हैं जल चढ़ाते हैं प्राचीन समय में इन कुंडों में स्नान करने के भक्तगण पर्वत के सबसे ऊपरी शिखर में बने मंदिर में जाकर जल अर्पित करती थी लेकिन आज वह स्थान पहुंच से बाहर हो गया है क्योंकि पहाड़ के निरंतर कटाव होने से वहां आज जान जोखिम भरा है कुल मिलाकर देव पर्वत एक रहस्यमई धार्मिक स्थल है अजयगढ़ नगर के समाजसेवी साहित्यकार एवं प्राचीन धार्मिक स्थलों के संरक्षण के लिए हमेशा

प्रयास करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय श्री देवी दयाल पाठक जी ने देव पर्वत की महिमा को एक कविता के रूप में लिखा था स्वर्गीय अंबिका प्रसाद दिव्या जी डॉक्टर हरनारायण सिंह और सूर्य प्रकाश गोस्वामी बड़ी प्रसाद त्यागी जैसे साहित्यकारों ने भी देव पर्वत की महिमा के बारे में काफी कुछ लिखा पूर्व शिक्षक सूर्य प्रकाश गोस्वामी जी एक बहुत बड़े साहित्यकार भी थे उन्होंने अपने संस्मरण में बताया कि देव पर्वत में सारस्वत मंत्र का जाप करने से कविता करने की शक्ति प्रकट होती है उन्होंने स्वयं इस बात को आजमाया और अपने संस्मरण में लिखा आज भी समय-समय पर देव पर्वत में साहित्य जगत से जुड़े लोग साधना करते देखे जाते हैं आसपास के ग्रामीण जन भी प्रत्येक पूर्णिमा अमावस्या को वहां पर पूरी रात्रि जाकर के रामायण कथा कीर्तन करते हैं लोगों की मान्यता है कि देव पर्वत के सिद्धनाथ बाबा उनकी हर संकटों से रक्षा करते हैं सिद्धनाथ बाबा पर अपार श्रद्धा क्षेत्र वासियों की है क्षेत्र वासियों की नजर में यह पर्वत कामदगिरि चित्रकूट से काम नहीं है प्राचीन समय में देव पर्वत की परिक्रमा किए जाने का भी विधान था आज भी भक्तगण देव पर्वत की परिक्रमा करते हैं उनकी मान्यता है कि पर्वत में सभी देवताओं का वास रहता है यहां पर कटोर चट्टान में जो विशाल के पैर का निशान बना हुआ है वह किन के पैरों का निशान है यह शोध का विषय है कोई भी के पैरों का निशान कहता है कोई क च के पैरों का निशान कहते हैं लेकिन कुल मिलाकर कटोर चट्टान में बने पंजे का निशान एक अद्भुत रहस्यमय है अजयगढ़ क्षेत्र विकास संघ के अध्यक्ष श्री राम पाठक ने शासन प्रशासन से देव पर्वत में बनी प्राचीन धरोहरों को संरक्षित किए जाने की मांग की है।

गीत-संगीत, पारंपरिक नृत्य और विशाल रैली से पन्ना में दिखी आदिवासी संस्कृति की झलक



पन्ना। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पन्ना डायमंड तिराहा के पास एक गार्डन में आदिवासी समाज ने अपनी एकता और गौरवपूर्ण इतिहास का भव्य प्रदर्शन किया। आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष देबू गोंड और एकलव्य सेना के जिला अध्यक्ष जयराम यादव के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और नौजवान शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती और डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्रों पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद आदिवासी संस्कृति की झलक पेश करते हुए गीत-संगीत और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिसने माहौल को और भी जोशीला बना दिया।देबू गोंड ने कहा कि हमारा इतिहास तेजस्वी और पाक-साफ



रहा है। भारत में स्वतंत्रता की पहली लड़ाई अगर किसी ने लड़ी तो वे हमारे बिरसा मुंडा जी थे। हमारे इतिहास को मिटाने और हमें कमजोर करने की कोशिशें हुईं, लेकिन अब समय बदल रहा है। लोग जागृत हो रहे हैं और एकजुट हो रहे हैं। हम सभी वर्गों को साथ लेकर अपने हक की लड़ाई मजबूती से लड़ेंगे। जयराम यादव ने कहा कि आदिवासी समाज का इतिहास अत्यंत गौरवपूर्ण है। ब्रिटिश काल के इतिहास में कहीं भी ऐसा उल्लेख नहीं मिलाता कि किसी भी गोंड राजा ने अंग्रेजों से किसी प्रकार की संधि की हो। पन्ना जिले में आदिवासी समाज और अन्य वर्गों के हितों की रक्षा के लिए हम सभी लोग संविधानिक तरीके से एकजुट होकर लड़ाई लड़ेंगे। पन्ना जिले के किसान और आदिवासी भाई-बहनों की जल, जंगल और जमीन पर उनके हक को किसी भी कीमत पर नहीं छीना जा सकता। हमें अपने खेतों, जंगलों और पारंपरिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट रहना होगा। सरकार को किसानों और आदिवासियों की समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए और उनके हक में ठोस कदम उठाने चाहिए। हम शांतिपूर्ण और संविधानिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे, जब तक न्याय नहीं मिल जाता। महिपाल सिंह मरावी ने कहा कि हम इस देश के मूल मालिक हैं। हमारी जल,

जंगल और जमीन छीनी जा रही है। अब सभी को एकजुट होकर संविधानिक तरीके से अपने अधिकारों के लिए लड़ना होगा। मंची कार्यक्रम के बाद विशाल रैली शहर के लिए निकली। मोहन निवास चौराहा, पावर हाउस, गांधी चौक और अजयगढ़ चौराहा होते हुए मुख्यमंत्री के नाम पर ज्ञापन सौंपा गया। इसके बाद बड़ा बाटजन, अंबेडकर चौक और डायमंड चौराहा होते हुए रैली कार्यक्रम स्थल पर वापस पहुंची और समापन हुआ।इस अवसर पर आदिवासी समाज ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अपनी संस्कृति और अधिकारों के प्रति वे पुरी तरह जागरूक हैं। पूरे कार्यक्रम में जो उत्साह और एकजुटता दिखाई दी, उससे साफ है कि अब आदिवासी आवाज को नजरअंदाज करना मुश्किल होगा।प्रमुख कार्यकर्ता संघटन के गया प्रसाद मरकाम, होराबाई गौड़, राजभान गुरुजी, मुन्ना सिंह फौजी, रामस्वरूप गोंड, नरेश गौड़, रविंद्र सौर, रामप्रसाद वर्मा, अखिलेश कोंदर, जहान सिंह यादव, आनंद सिंह, अभिषेक चौरसिया, ओम प्रकाश कोदर, बुजेंद्र सिंह यादव, गजेंद्र चौधरी, अमित गोंड, लक्ष्मीकांत, पवन मरावी, संजू, उमदे, सुरजीत गोंड, मंगल सिंह, नेता राम गोंड, वीरू गोंड, भीमा गोंड, लुट्टन सहित हजारों की संख्या में लोग शामिल रहे।



बालाजी सरकार प्रमोद और विनोद कोरी को नगर वासियों ने दी उत्साह पूर्वक विदाई

गुन्नौर से जगन्नाथ धाम तक साइकिल यात्रा का मत्स्य आगाज

गुनौर। आस्था, संकल्प और अनूठी धार्मिक भावना का अद्भुत संगम सोमवार को गुन्नौर की पावन धरा पर देखने को मिला। क्षेत्र के श्रद्धालु बालाजी सरकार श्री चित्रकूट मैहर के अनन्य भक्त प्रमोद कोरी और विनोद कोरी ने पवित्र धार्मिक स्थल जगन्नाथ पुरी तक की विशाल साइकिल यात्रा का शुभारंभ किया। इस कठिन और भक्तिमयी यात्रा का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सद्भाव, लोक कल्याण और जगन्नाथ धाम में आस्था का ध्वज फहराना है। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर गुन्नौर की नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह, कुरुदीप सिंह डिघौरा, चंदन सपेरा, सुशील विश्वकर्मा अरुण कुमार गौतम, , धर्मराज कश्यप, संतोष लोधी, रामस्वरूप पटेल एवं उमेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में

जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने मुख्य मार्ग पर यात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

फूलों की वर्षा और तिलक से हुआ मत्स्य अभिनंदन

साइकिल यात्रियों के साहस और अटल भक्ति को सराहना करते हुए उपस्थित जनों ने उन्हें रोली-अक्षत का तिलक लगाया और पुष्पहार पहनाकर यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान रजय श्री रामर, रजय बालाजी महाराजश और रजय जगन्नाथ स्वामीर के जयकारों से पूरा गुन्नौर नगर गुंजायमान हो उठा। यह यात्रा विभिन्न धार्मिक स्थलों से होते हुए पवित्र जगन्नाथ पुरी धाम पहुंचेगी, जहाँ भगवान जगन्नाथ के दर्शन और विशेष पूजा-अर्चना के साथ इस संकल्प यात्रा का विश्राम होगा। नगर वासियों ने ढोल-नगाड़ों और जयघोष के बीच साइकिल यात्रियों को गंतव्य की ओर रवाना किया।



ख़बर संक्षेप

राष्ट्रगान के दौरान कक्षा 5वीं की छात्रा हुई बेहोश, स्कूल में मर्ची अफ़रा-तफ़री

उमस भरी गर्मी से बिगड़ी तबीयत, सहपाठियों ने संभाला; स्कूल प्रबंधन ने परिजनों को दी सूचना

नौगांव। नगर के सांदीपनी विद्यालय सीएम राइज स्कूल में सोमवार को छुट्टी से पहले राष्ट्रगान के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कक्षा पांचवीं की छात्रा अचानक चक्कर आने से बेहोश होकर गिर गयी। छात्रा के बेहोश होते ही आसपास मौजूद सहपाठियों ने उसे संभाला। घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय स्टाफ ने छात्रा के परिजनों को सूचना दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह विद्यालय में नियमित कक्षाएं संचालित हो रही थीं। बच्चे आगामी 15 अगस्त के कार्यक्रम की तैयारियों में भी जुटे हुए थे। इसी दौरान कक्षा पांचवीं की छात्रा महक राजक की तबीयत बिगड़ने लगी। बताया गया कि छात्रा को पहले से असहजता महसूस हो रही थी, लेकिन उसने इसकी जानकारी स्कूल स्टाफ को नहीं दी और कक्षा में पढ़ाई करती रही। छुट्टी से पूर्व जब विद्यालय के छात्र-छात्राएं राष्ट्रगान के लिए कतार में खड़े हुए, इसी दौरान महक को अचानक चक्कर आया और वह बेहोश हो गई। छात्रा के गिरते ही अन्य छात्राओं ने उसे संभाला, जिसके बाद मौके पर बच्चों की भीड़ जमा हो गई। स्थिति को देखते हुए अग्र्य छात्राओं ने उसे संभाला, जिसके बाद मौके पर बच्चों की भीड़ जमा हो गई। स्थिति को देखते हुए विद्यालय स्टाफ ने तत्काल छात्रा के परिवार को सूचना दी।

नगर में इन दिनों कम बारिश के चलते गर्मी और उमस का असर बना हुआ है। ऐसे मौक़म में बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। घटना के बाद विद्यालय में भी कुछ देर के लिए चिंता का माहौल रहा। परिजनों को सूचना दिए जाने के बाद छात्रा की स्थिति को लेकर आवश्यक देखभाल की गई। विद्यालय प्रबंधन की ओर से भी बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई।

घरेलू विवाद के चलते महिला ने 2 बच्चों के साथ लगाई कुएं में छलांग, तीनों की मौत

लवकुशनगर। अलुविमाग लवकुशनगर के प्रकाश बम्होरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रकाश बम्होरी गांव में एक महिला भगवती कुशवाहा, आयु 21 लगभग वर्ष ने घरेलू विवाद के चलते अपने दो बच्चों पुत्र पुष्पेन्द्र कुशवाहा उम्र लगभग 2 वर्ष और बेटी संख्या कुशवाहा उम्र लगभग 3 वर्ष के साथ कुएं में छलांग लगा दी, जिससे तीनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रकाश बम्होरी थाना पुलिस तुरंत दलाल के साथ मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर तीनों शवों को कुएं से खींच निकाल लिया गया है। इस हृदय विदारक घटना के बाद से पूरे गांव और पड़ोस परिवार में मानस परसा हुआ है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मर्ग कायम कर पेशाब विवाद के मुख्य कारणों की गहन जांच शुरू कर दी है।



आरएलआई विध्याचल में ‘सिस्टम ओरिएंटेशन’ पर केंद्रित क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन

सिंगरौली। क्षमता विकास एवं कार्यकुशलता संवर्धन की दिशा में एनटीपीसी की सतत पहल के अंतर्गत क्षेत्रीय ज्ञानार्जन संस्थान विंध्याचल में “सिस्टम ओरिएंटेशन” विषय पर दो दिवसीय क्षमता विकास कार्यक्रम का शुभारंभ 10 अगस्त 2026 को हुआ। यह कार्यक्रम विंध्याचल, सिंगरौली एवं रिहंद से जुड़े E6—E7 स्तर के अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों की व्यवहारिक एवं नेतृत्व संबंधी दक्षताओं को सुदृढ़ करना, पेशेवर भाववशीलता बढ़ाना तथा उन्हें उच्चतर दायित्वों के निर्वहन के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ने किया। उन्होंने कार्यक्रम की फैकल्टी डॉ. गरिमा बंसल, इंटरनेशनल लीडरशिप कंसल्टेंट एवं कोच (एसएचआरएम) का स्वागत किया। अपने संबोधन में श्री किशोर कुमार होता ने एनटीपीसी की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एनटीपीसी एक पारंपरिक विद्युत उत्पादन कंपनी से आगे बढ़कर एक विविधीकृत एवं एकीकृत ऊर्जा कंपनी के रूप में निरंतर विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि अक्षय ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा एवं खनन जैसे नए क्षेत्रों में बढ़ते अवसर अधिकारियों के लिए अपने पेशेवर विकास एवं क्षमताओं को विस्तार देने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि उच्चतर दायित्वों के निर्वहन के लिए केवल कार्यात्मक विशेषज्ञता पर्याप्त नहीं है, बल्कि सिस्टम ओरिएंटेशन, व्यवस्थित सोच, दूरदर्शी दृष्टिकोण (Visualisation) तथा व्यापक व्यावसायिक परिवेश की समझ जैसी दक्षताएं भी आवश्यक हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से कार्यक्रम में सक्रिय एवं सहभागी रूप से भाग लेने का आह्वान किया तथा फैकल्टी के अनुभव एवं विशेषज्ञता का अधिकतम लाभ उठाते हुए ऐसे ज्ञान, कौशल एवं दक्षताओं को विकसित करने पर जोर दिया, जो उन्हें भविष्य में बड़ी नेतृत्वकारी भूमिकाओं एवं उच्चतर जिम्मेदारियों के लिए सक्षम बनाएंगी। दो दिवसीय यह कार्यक्रम अधिकारियों में समग्र नेतृत्व दृष्टिकोण, प्रणालीगत सोच एवं संगठनात्मक समझ विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

पुलिस ने फरार आरोपी को पकड़ा, चांदी के जेवरों और नगदी बरामद

छतरपुर। हरपालपुर थाना क्षेत्र की काकुनपुरा चौकी अंतर्गत गाम गुढे में दो घरों में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की चांदी की पायल सहित करीब 50 हजार रुपये की नगदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, सुरेंद्र यादव और हरिकुमार यादव के घरों में चोरी की वारदात के बाद अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 90/26 और 91/26 दर्ज किए गए थे। मामले में बीएनएस की धाराओं 331, 305ए एवं 61(2) के तहत जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी अंकित उर्फ सूरज राजपूत निवासी गालियां, थाना राठ को गिरफ्तार किया। पुलिस इससे पहले मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर चुकी है। काकुनपुरा चौकी प्रभारी गिरजेश सिंह बुढेला ने बताया कि आरोपी से चोरी के सामान और नगदी की बरामदगी की गई है। मामले में फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि शेष आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

24 महीने से वेतन का इंतजार, 13 कर्मचारियों के घर का बजट बिगड़ा; जांच टीम पहुंची तो प्राचार्य की लापरवाही उजागर

मानव अधिकार शिकायत के बाद तीन सदस्यीय टीम नौगांव पहुंची, लेकिन प्राचार्य पीके मिश्रा ने संविदा-आउटसोर्स कर्मचारियों को सूचना तक नहीं दी

नौगांव।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय बापू डिग्री कॉलेज एक बार फिर कर्मचारियों के वेतन को लेकर सुखिंयों में है। कॉलेज के संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों ने करीब 24 महीने से वेतन नहीं मिलने की शिकायत मानव अधिकार आयोग में की थी। शिकायत के बाद मामले की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय टीम सोमवार को नौगांव पहुंची, लेकिन जांच के दौरान कॉलेज प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर ही सवाल खड़े हो गए। जांच के लिए डॉ. बीएम द्विवेदी, डॉ. राजेश अहिरवार और डॉ. सुनीता नापित की तीन सदस्यीय टीम कॉलेज पहुंची। टीम ने संबंधित कर्मचारियों के बयान लेने की तैयारी की, लेकिन आरोप है कि कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पीके मिश्रा ने संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों को जांच की सूचना समय पर लिखित



रूप से नहीं दी। नतीजा यह रहा कि जांच टीम के सामने मात्र एक कर्मचारी ही पहुंच सका और बाकी कर्मचारी अपने बयान दर्ज कराने के लिए पहुंच ही नहीं पाए।

जांच टीम ने लगाई फटकार, खाली हाथ लौटना पड़ा -

कर्मचारियों की अनुपस्थिति को लेकर जांच टीम ने कॉलेज प्राचार्य डॉ. पीके मिश्रा को कड़ी फटकार लगाई। जब शिकायत वेतन से जुड़ी हो और जांच टीम कर्मचारियों के बयान लेने पहुंची हो, ऐसे में संबंधित कर्मचारियों को सूचना तक नहीं पहुंचना

कॉलेज प्रबंधन की गंभीरता की गंभीरता लापरवाही मानी जा रही है। कर्मचारियों के बयान नहीं होने के कारण टीम को फिलहाल बिना पूरी जांच के लौटना पड़ा।

बुधवार को फिर पहुंचेगी टीम, 12 कर्मचारियों के लिए जाएंगे बयान -

मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच टीम बुधवार को एक बार फिर नौगांव पहुंचेगी। इस दौरान वेतन से संबंधित शिकायत करने वाले 12 कर्मचारियों के बयान लिए जाएंगे। कर्मचारियों से वेतन भुगतान, कार्य अवधि और उन्हें भुगतान नहीं मिलने से जुड़ी जानकारी दर्ज की जाएगी। इसके बाद जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

24 महीने से वेतन नहीं तो घर कैसे चले? -

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि कर्मचारियों को वास्तव में 24 महीने से वेतन नहीं मिला है, तो इतने लंबे समय तक उनका और उनके परिवारों का गुजारा कैसे हुआ? संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति पहले ही सीमित वेतन पर निर्भर रहती है। ऐसे में दो साल तक वेतन का इंतजार

चोरियों का पुलिस ने किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

छतरपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में हुई चोरी की वारदातों का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने साइबर और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोनों संदिग्धों को पकड़ा था, पृष्ठताछ में उन्होंने चोरी की वारदातें कबूल कर लीं। थाना प्रभारी आशुतोष श्रोत्रिय ने बताया कि आरोपियों की पहचान शेख आजाद और राका के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी मिलकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। आरोपियों ने चार चोरियां करना स्वीकार किया है, जिनमें तीन मामले सिविल लाइन थाना क्षेत्र के हैं, जबकि एक मोटरसाइकिल कोतवाली थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 300 ग्राम चांदी के आभूषण, सोने के

300 ग्राम चांदी के आभूषण, सोने के जेवर गैस सिलेंडर, एलईडी टीवी और बाइक बरामद



कुछ जेवर, तीन घरेलू गैस सिलेंडर, दो एलईडी टीवी सहित अन्य घरेलू सामान बरामद किया है। इसके अलावा कोतवाली थाना क्षेत्र से चोरी

हुई मोटरसाइकिल भी पुलिस ने सही हालत में बरामद कर ली है। वहीं सिविल लाइन क्षेत्र से चोरी हुई एक अन्य मोटरसाइकिल के कुछ पार्ट्स आरोपियों द्वारा बेच दिए गए थे। पुलिस अब इन पार्ट्स और उनसे संबंधित जानकारी जुटा रही है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में भी पृष्ठताछ की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप; एसपी से निष्पक्ष जांच की गुहार

छतरपुर।

महाराजपुर थाना क्षेत्र में युवक गुलाब अनुरागी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मृतक के परिजनों ने गद्दीमलहरा निवासी सचिन चौरसिया समेत कई लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच और एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि गुलाब को जबरन टैंकर की पुताई के लिए ले जाया गया था और वहां उसके साथ मारपीट की गई।

शिकायत के अनुसार, 18 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 12 बजे गुलाब घर पर था। इसी दौरान सचिन चौरसिया मोटरसाइकिल से पहुंचा और उसे अपने टैंकर की पेंटिंग के लिए सच चलने को कहा। गुलाब ने भीषण गर्मी के चलते काम करने से इनकार किया, लेकिन आरोप है कि उसे जबरन अपने साथ ले जाया गया। शाम करीब 6 बजे परिजनों को सूचना



मिली कि गुलाब बेहोश पड़ा है। उसे मिशन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बाद में जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

परिजनों का दावा है कि घटना वाले दिन तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक था और धूप में खड़े लोहे के टैंक के अंदर काम करना बेहद जोखिमपूर्ण था। मृतक के भाई मूलचंद्र अनुरागी का आरोप है कि काम करने

से मना करने पर गुलाब के साथ मारपीट की गई। परिवार के मुताबिक पोस्टमार्टम में शरीर पर चार चोटों के निशान मिले हैं। वहीं, लिबर, पेट और किडनी की जांच के लिए विसरा एफएसएल भेजा गया था, लेकिन एक महीने से अधिक समय बीतने के बावजूद रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया है। पॉइंट परिवार ने जांच अधिकारी पर

राजनीतिक दबाव में काम करने और मामले को कमजोर करने का आरोप भी लगाया है। आवेदन में दावा किया गया है कि घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर घटना के बाद सचिन चौरसिया द्वारा हटाए गए। परिजनों का कहना है कि डीवीआर की जांच होने पर घटना से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।

आवेदिका अच्छी बाई अनुरागी ने एसपी छतरपुर को दिए आवेदन में अशोक अनुरागी, प्रहलाद अनुरागी, आलोक अहिरवार और सचिन चौरसिया सहित अन्य लोगों पर हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि घटना से करीब एक सप्ताह पहले गुलाब को जान से मारने की धमकी दी गई थी। परिजनों का कहना है कि उन्होंने 21 अप्रैल, 9 मई और 19 मई 2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन दिए, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई। परिवार ने एसपी से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

10 महाविद्यालयों में शुरू हुआ पर्यटन कौशल एवं जागरूकता प्रशिक्षण, 1500 विद्यार्थी होंगे लाभान्वित



छतरपुर। पीएम ऊषा परियोजना के तहत एमपीकॉम लिमिटेड द्वारा तन्वी सोशल सर्विस समिति के सहयोग से जिले के 10 चयनित महाविद्यालयों में टूरिज्म रिकल डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू किया गया है। प्रशिक्षण 10 से 21 अगस्त तक दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र, पर्यटक मार्गदर्शन, प्रभावी संचार, स्थानीय पर्यटन एवं सांस्कृतिक विरासत, सेवा कौशल, व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही महिला मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, भावनात्मक स्वास्थ्य, सकारात्मक सोच और सामाजिक संवेदनशीलता को लेकर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

प्रशिक्षण में प्रत्येक महाविद्यालय से करीब 150 विद्यार्थी शामिल होंगे और जिले के कुल 1500 विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। विद्यार्थियों की प्रगति का आकलन प्री-टेस्ट एवं पोस्ट-टेस्ट के माध्यम से किया जा रहा है। सहभागिता और प्रदर्शन के आधार पर प्रत्येक महाविद्यालय से 6 उत्कृष्ट विद्यार्थियों का चयन होगा। इस प्रकार कुल 60 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को ट्राफी एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा, जबकि सभी प्रतिभागियों को भी प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

प्रथम चरण में 10 से 14 अगस्त तक छतरपुर, लवकुशनगर, राजनगर एवं हरपालपुर के महाविद्यालयों में प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। द्वितीय चरण में 17 से 21 अगस्त तक नौगांव, महाराजपुर, चंदला, बिजावर, बड़ा मलहरा एवं बक्सवाहा के महाविद्यालयों में कार्यक्रम होगा। शासकीय कन्या पी.जी. महाविद्यालय, छतरपुर के प्राचार्य डॉ. एस.डी. चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समन्वय पीएम ऊषा प्रभारी डॉ. शशिकांत अवस्थी द्वारा किया जा रहा है।

तीज के रंग में रंगा विध्याचल, सुहासिनी संघ ने सजाई संस्कृति और उल्लास की महफिल

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल के लेडीज क्लब सुहासिनी संघ द्वारा 8 अगस्त 2026 को उमंग भवन में हर्षोल्लास के साथ तीज उत्सव समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सुहासिनी संघ की अध्यक्ष श्रीमती पद्मालया होता के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर श्रीमती नीलु असाटी, अध्यक्ष (वर्तिका महिला मंडल), एवं श्रीमती ई. निर्मला राव, अध्यक्ष (वर्निता समाज) सहित सुहासिनी संघ की वरिष्ठ सदस्य एवं समिति की सदस्याएं उपस्थित रहीं।



सदस्यों को एक-दूसरे के साथ सुशियां साझा करने और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को उत्साहपूर्वक मनाने का अवसर प्रदान किया।

छह महीने से राजधानी में अटका रीवा शहर का मास्टर प्लान, 2041 का विकास इंतजार में

80 गांव और दो तहसीलों तक बढ़ेगा शहर का दायरा, मार्च में अनुमोदन के लिए शासन को भेजा गया था प्रस्ताव

रीवा।

जिले के मनगवां के बहुचर्चित गोलीकांड का पुलिस ने आखिरकार पर्दाफाश कर दिया है। व्यापारी संदीप गुप्ता पर गोली चलाने की पूरी साजिश उसके पड़ोसी मोटी गुप्ता ने रची थी। पुलिस के अनुसार करीब डेढ़ साल पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए आरोपी ने अपने दो नाबालिग साथियों को वारदात के लिए तैयार किया। दोनों नाबालिगों ने नकाब पहनकर बाइक से पहुंचकर व्यापारी पर गोली चलाई थी।

पुलिस ने मामले में मुख्य साजिशकर्ता मोटी गुप्ता सहित दो नाबालिगों को पकड़ा है। आरोपियों के कब्जे में इस्तेमाल की गई पिस्टल भी बरामद हुई है। बता दें मंगवां बस्ती निवासी व्यापारी संदीप गुप्ता पर 28 जुलाई की रात बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने फायरिंग की थी। गोल उनके चेहरे में लगी थी। अचानक हुई फायरिंग की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई थी। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती नकाबपोश हमलावरों की पहचान और गोलीकांड की वजह पता लगाने की थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने स्थाना प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में जांच टीम गठित की। साइबर सेल को भी जांच में लगाया गया। जांच के दौरान साइबर सेल को कुछ अहम सुरंग मिले। इन सुरंगों के आधार पर पुलिस ने एक नाबालिग को पकड़ा। पूछताछ में सामने आई जानकारी ने पूरे मामले की दिशा बदल दी। पुलिस के मुताबिक नाबालिग से पूछताछ के बाद गोलीकांड की पूरी साजिश का खुलासा हुआ और मुख्य साजिशकर्ता मोटी गुप्ता का नाम सामने आया। पुलिस के अनुसार मोटी ने ही अपने दो नाबालिग साथियों को व्यापारी की हत्या के लिए तैयार किया था। इसके बाद दोनों नाबालिगों ने व्यापारी की

रीवा।

शहर के सुनियोजित और भविष्य के विकास की राह देख रहा रीवा एक बार फिर मास्टर प्लान की प्रक्रिया में अटक गया है। वर्ष 2041 तक की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया नया मास्टर प्लान पिछले करीब छह महीने से राजधानी में शासन की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। मार्च 2026 में इसे अनुमोदन के लिए राज्य शासन के पास भेजा गया था, लेकिन अब तक इस पर अंतिम निर्णय नहीं हो सका है।

मास्टर प्लान के अनुमोदन में हो रही देरी का सीधा असर शहर के विस्तार, भूमि उपयोग निर्धारण और प्रस्तावित विकास कार्यों पर पड़ रहा है। पुराने मास्टर प्लान को आपत्तियों और त्रुटियों के कारण निरस्त किए जाने के बाद नए सिरे से प्लान तैयार किया गया है। इस बार शहर की मौजूदा नगर निगम सीमा के साथ आसपास के करीब 80 गांवों को विकास योजना के दायरे में शामिल करने का प्रस्ताव है। नए प्लान में शहर के विस्तार को मौजूदा सीमा से काफी आगे ले जाते हुए रायपुर कर्चुलियान से मनगवां की दिशा तक विकास क्षेत्र का विस्तार प्रस्तावित किया गया है। साथ ही आसपास की दो तहसीलों को भी विकास की व्यापक योजना से जोड़ने का प्रस्ताव है। मास्टर प्लान में देरी का सबसे बड़ा असर उन जमीन मालिकों और निवेशकों पर पड़ रहा है, जो भूमि

उपयोग (लैंड यूज) तय होने का इंतजार कर रहे हैं। पिछले करीब तीन वर्षों से कई क्षेत्रों में जमीनें उपयोग के लोकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। नए मास्टर प्लान के अनुमोदन के बाद विभिन्न क्षेत्रों का लैंड यूज निर्धारित होगा। इसके बाद आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक और अन्य उपयोग के लिए जमीनों के विकास का रास्ता साफ होने की उम्मीद है।

शहर के तेजी से बढ़ते बाहरी क्षेत्रों में बिना समुचित प्लानिंग के निर्माण बढ़ने से भविष्य में यातायात, जल निकासी, सड़क, पेयजल और अन्य शहरी सुविधाओं पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

पुराने मास्टर प्लान में आई थीं आपत्तियां

रीवा का पिछला मास्टर प्लान वर्ष 2021 तक की अवधि के लिए तैयार किया गया था। इसके बाद वर्ष 2031 तक के लिए नया मास्टर प्लान तैयार किया जाना था, लेकिन प्रक्रिया में देरी होती रही। वर्ष 2022-23 में नया मास्टर प्लान तैयार कर शासन को अनुमोदन के लिए भेजा गया। प्रस्ताव पर बड़ी संख्या में आपत्तियां और तकनीकी खामियां सामने आने के बाद इसे मंजूरी नहीं मिल सकी। मामला इतना महत्वपूर्ण रहा कि रीवा के मास्टर प्लान को लेकर विधानसभा में भी खवाल उठी। अंततः पुराने प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के बजाय नए सिरे से मास्टर प्लान तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की गई। अगस्त 2025 में भी एक प्रस्ताव शासन को भेजा गया था, जिसमें नगर निगम सीमा के अलावा आसपास के 39 गांव शामिल किए गए थे। इसमें सामने आई त्रुटियों के बाद उसे निरस्त कर नया

प्रस्ताव तैयार किया गया। अब मार्च 2026 में संशोधित और विस्तारित मास्टर प्लान शासन को भेजा गया है। नया मास्टर प्लान 15 वर्ष की अवधि को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। शासन से अनुमोदन मिलने के बाद यह वर्ष 2041 तक प्रभावी रहेगा। इसमें परिवार की आबादी, आवासीय जरूरत, यातायात दबाव, सड़क नेटवर्क, जल निकासी, हरित क्षेत्र, तालाबों के संरक्षण और शहर के विस्तार को ध्यान में रखा गया है। शहर के जिन क्षेत्रों में पिछले वर्षों में तेजी से आबादी और निर्माण बढ़ा है, उनके आसपास के गांवों को भी नियोजित विकास के दायरे में लाने का प्रस्ताव है।

8217 हेक्टेयर से अधिक बढ़ेगा शहर का क्षेत्रफल

नए मास्टर प्लान के तहत आसपास के गांवों को शामिल किए जाने के बाद रीवा नगर निगम का क्षेत्रफल करीब 8217.49 हेक्टेयर बढ़ाने का प्रस्ताव है। प्रस्ताव में राजस्व के 48 गांवों को शामिल किया गया है, जिनमें 13 गांवों के अंशभाग भी शामिल हैं। 10 वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार इन क्षेत्रों की करीब 43,823 आबादी भी शहर के नियोजित विकास क्षेत्र में शामिल होगी। जीआईएस के अनुसार वर्तमान में रीवा नगर निगम का क्षेत्रफल 6265.62 हेक्टेयर है। प्रस्तावित 8217.49 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल होने के बाद नगर निगम का कुल क्षेत्रफल करीब 14,483.11 हेक्टेयर हो जाएगा। यानी प्रस्तावित विस्तार के बाद शहर का नया नियोजित क्षेत्र मौजूदा नगर निगम क्षेत्र से भी बड़ा होगा।

इन क्षेत्रों तक पहुंचेगा मास्टर प्लान का दायरा

नए मास्टर प्लान में शहर के चारों तरफ तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। प्रस्तावित क्षेत्र में रतहरा के आगे कोष्ठा, महसांव, मैदाना, कटहिया, अटरिया, कितवरिया, मद्दो, बनकुड़झ्यां, रोसर, निपरिया गोडहर रामकुई सहित कई गांव शामिल हैं। गाड़ी रोड की ओर खोर कोठी, सिलपारा नीगा, रामकुई, अमरैया, तुर्कहा, दुआरी, कैमहार, झिंडवा देवायं, उमरिया, बरा, सिरखिनी, हट्टौरा, भाटी, सोनौरा, पुरेना, बेल्हा, मुंडहा, जिवला, सिलपरा, जोरी, डकवार, सिलपरा, बैसा, मगुरुहाई, रामपुरवा, पिंपरा और खोखम सहित अन्य क्षेत्रों को भी प्रस्तावित मास्टर प्लान के दायरे में रखा गया है। मास्टर प्लान का विस्तार रायपुर कर्चुलियान की दिशा तक प्रस्तावित है। सीमावर्ती कई गांवों के अंशभागों को भी योजना में शामिल करने का प्रस्ताव है। इनमें रतहरा, रतहरी, निपरिया, कुठुलिया, बदरांव, बाबूपुर, चोरहटा, चौरहटी, रोसर, गडरिया, कोष्ठा, अजरगहा और गोडहर आदि के अंशभाग शामिल हैं।

एयरपोर्ट और शहरी अधोसंरचना पर भी फोकस

रीवा एयरपोर्ट के विस्तार और भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुविधाओं के विकास को ध्यान में रखते हुए भी अलग से योजना पर काम किया गया है। इसके अलावा अर्बन वॉटर प्लांट फंड योजना के तहत शहर की पेयजल, सीवरज और अन्य शहरी आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने वाली परियोजनाओं को भी विकास संरचना में शामिल किया गया है।

हर घर तिरंगा यात्रा में देशभक्ति गीतों और नारों से गुंज उठा शहर
हाथों में तिरंगा और होठों पर वंदे मातरम के साथ निकली तिरंगा यात्रा

गया। हर घर तिरंगा अभियान में रीवा में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। विवेकानंद पाक कालेज बंगला, रैवेयू चौराहा, शिल्पी लाजा बाजार, प्रकाश चौराहा, रैवेयू चौराहा, खन्ना चौराहा, वेंकट तिराहा होते हुए तिरंगा यात्रा का जयस्तंभ चौक पर समापन हुआ। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करते हुए रीवा संभाग के कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह ने कहा कि तिरंगा हमारी आनखों और आशा का प्रतीक है। इस रिसरो को हाथ में लेकर हजारों वीरों ने देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान किया। रीवा संभाग के सभी जिलों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तिरंगा अभियान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके देश के शहीदों का सम्मन किया जा रहा है। तिरंगा हमें राष्ट्रपति की भावना जगाने के साथ-साथ देश के प्रति अपने कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। तिरंगाके देवदार पाक से शुरू हुई तिरंगा यात्रा में देशभक्ति के विवेकानंद पाक से शुरू हुई तिरंगा यात्रा में लेखभक्ति के तिरंगेतीनों और नारों की घुम रही है। हर हाथ में लेहाते हुए तिरंगे देशदेशप्रेम का संदेश दे रहे थे। तिरंगा यात्रा में 50 फीट लंबा का संदेश दिया गया। इसके साथ-साथ महाराणा प्रताप और भारत माता का भेष रहने युवाओं ने तिरंगा रीवा की शोभा को चौगुन कर दिया। रैली में प्रजापति ब्रम्हकुमारि ईश्वरी तिरंगा विवेकानंदपालय के ज्ञान स्तूप तिरंगा से सजाकर देशभक्ति का संदेश दिया गया। इस भव्य तिरंगा रैली में विधायक लॉथर ससुद्धार्थ तिवारी राज, नगर निगम के अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, जिला बाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, अन्य पार्टी के तिरंगा, नगर निगम के पार्षद गण शर्मिल रैली में कमिश्नर श्री सिंह, प्रभारी कलेक्टर तथा आयुक्त नगर निगम शशकत जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना निपाटी, जिला संघाट के मुख्य कार्यालय अधिकारी मेहाब सिंह गुर्जर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल रैली में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी,



परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक तथा आगवानी कार्यकर्ता, नगर निगम एवं कलेक्ट्रेट के कमिश्नरी, एनपीसी के डेटेडर, विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थी, स्कुलों के विद्यार्थी शामिल रहे। रैली में जिला खेल अधिकारी के नेतृत्व में खिलाड़ियों का दल शामिल रहा। पुलिस विभाग के अधिकारियों और सम्पादकियों में भी तिरंगा यात्रा में सहभागिता निभाई। तिरंगा यात्रा में जन अभियान परिषद सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा आन जन-समिति हूए। नगर के प्रमुख मार्गों तथा प्रमुख बाजार में देशभक्ति के गीत और नार गुंजायमान रहे। रैली के समापन स्थल जयसंतो चोक में सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा आमजनों ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनका नमन किया।

अगस्त क्रांति की ऐतिहासिक निर्णायक भूमिका थी देश को आजादी दिलाने में: अजय खरे

लाहौर अधिवेशन (1929) का पूर्ण स्वराज प्रस्ताव सन 1942 में रंग लाया

रिवा । भारत छोड़ो आंदोलन की 84 वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर स्थानीय नेहरू नगर वाई क्रमांक 13 में समता सम्पर्क अभियान, नारी चेतना मंच, विध्यांचल जन आंदोलन एवं समाजवादी कार्यकर्ता समूह के संयुक्त तत्वावधान में वरिष्ठ नेत्री नजमुनिशा की अध्यक्षता में एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी सम्पन्न हुई। संगोष्ठी को प्रमुख रूप से संबोधित करते हुए समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि सन 1942 की अगस्त क्रांति के पहले से विध्य क्षेत्र सहित देश के कई भागों में आजादी आंदोलन की सुगुन्गाहट थी। उस दौर में अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां काफी गंभीर थीं। ब्रिटिश हुकूमत विश्व युद्ध का सामना कर रही थी। अंग्रेज चाहते थे कि बड़े पैमाने पर भारतीय भी साम्राज्यवादी सेना में शामिल होकर भारत का साथ दें। लेकिन महात्मा गांधी इसके विरोध में थे। 8 अगस्त 1942 की रात्रि के समय महात्मा गांधी ने विश्व परिदृश्य एवं देश की जनता की नब्ज को टोटलते हुए बाम्बे (मुंबई) के गवालिग्रा टैंक मैदान में आयोजित कांग्रेस प्रतिनिधि सम्मेलन में अंग्रेजों भारत छोड़ो और करो या मरो के नारे के साथ आजादी के आंदोलन का उद्घोष कर दिया। इस उद्घोषणा के बाद शीर्ष नेतृत्व को ब्रिटिश सरकार ने भारत पुरुषा कानून के अंतर्गत गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। रातों-रात यह खबर पूरे देश में बिजली की गति की तरह जनता तक फैल गई। आजादी के आंदोलन के लिए महात्मा गांधी ने गरम लोहे पर चोट की। इसे लेकर देश के नौजवानों, छात्र-छात्राओं में भी गजब का जोश था। इन्होंने अपने कालेज और स्कूल की पढ़ाई को छोड़ते हुए 9 अगस्त को अंग्रेजों



भारत छोड़ो और करो या मरो के नारे के साथ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में देश की आजादी के आंदोलन को विस्तार दिया। बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियाँ हुईं। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने कड़ी से कड़ी जेल यातनाएँ सहनीं लेकिन झुकने नहीं। मारपीत नहीं मंगी। जमानत और मुचलके पर बहूतने से भी इंकार कर दिया। छात्र नौजवान बेटों की सजा पर क्रांतिकारी कदमों काफ़ी करने में पीछे नहीं थे। श्री खरे ने कहा कि पूर्ण स्वराज की मांग तो कांग्रेस के 19 दिसंबर सन 1929 के लाहौर अधिवेशन में प्रस्ताव के रूप में पारित हो गई थी लेकिन उसका प्रभावही बनने में महात्मा गांधी के नेतृत्व में शुरू हुआ 1942 के राणारी आंदोलन की ऐतिहासिक और निर्णायक भूमिका अदा की, जिसके चलते 15 अगस्त 1947 के दिन भारत को आजादी मिली। श्री खरे ने कहा कि आरस्त क्रांति ने देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संगोष्ठी को समाजसेवी गुफर खान, अशोक सोनी एवं प्रेम नाथ जायसवाल ने भी संबोधित किया।

नईगढ़ी जनपद क्षेत्र में विकास कार्यों पर गंभीर सवाल, खेत तालाब से लेकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक जांच की मांग

मऊगंज। जिले के जनपद पंचायत नईगढ़ी के अंतर्गत ग्राम पंचायत बहेरा नानकार में पंचायत द्वारा काराए गए विकास कार्यों को लेकर एक बार फैरें सवाल खड़े हो गए हैं। पंचायत में विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत कार्यों में कथित अनियमितता और भुगतान को लेकर शिकायत करते हुए ग्रामवासियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने कलेक्टर को दिए आवेदन में पंचायत के विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया है कि कई कार्यों की स्वीकृति, निर्माण या वास्तविक स्थिति और किए गए भुगतान के बीच अंतर की जांच आवश्यक है। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि पंचायत के दस्तावेजों का मौखिक पर जाकर सत्यापन कराया जाए तो वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। है। चार खेत तालाबों को लेकर शिकायत शिकायत में कृष्ण कुमार पांडेय,

रामनरेश कुशवाहा, प्रेमवती गुप्ता और इंद्रभान विश्वकर्मा के नाम से दर्ज खेत तालाब निर्माण कार्यों का विषय रूप से उल्लेख किया गया है। शिक्षायातकता का आरोप है कि इन हितराहियों के नाम से खेत तालाब निर्माण कार्यों के लिए राशि का भुगतान किया गया, लेकिन कांई की वास्तविक स्थिति की जांच नहीं जरूरी है। शिक्षायातकता ने मांग की है कि संबंधित खेतों में अधिकारियों की टीम भेजकर यह देखा जाए कि स्वीकृत कार्य के अनुरूप खेत तालाब का निर्माण हुआ है या नहीं, निर्माण की मात्रा कितनी है और भुगतान कितनी राशि का किया गया है। मनरेगा के कार्यों की भी जांच की मांग शिक्षायातक ने मनरेगा के तहत कराए गए कार्यों को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि कुछ कार्यों को कागजों में पूरा दर्शाकर भुगतान किया गया, जबकि मौके पर उनकी स्थिति अलग हो सकती है। शिक्षायातकता ने मस्टर रोल, मजदूरों की उपस्थिति, जांच

काई, मजदूरी भुगतान, सामग्री भुगतान और कार्य की माप पुस्तिका की जांच कराने की मांग की है। साथ ही पंचायत में स्वीकृत सभी कार्यों का मौके पर भौतिक सत्यापन कराने की मांग की गई है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर का मामला भी शिकायत में शामिलग्राम पंचायत में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर से जुड़े कार्य की लेखर भी शिकायत में स्वावल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने निर्माण एवं उससे संबंधित खर्च का रिकॉर्ड खंगालने तथा मौके पर हुए कार्य से उसका मिलान कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता का कहना है कि किसी भी निर्माण कार्य में स्वीकृत राशि, तकनीकी स्वीकृति, कार्यदेश, निर्माण की मात्रा और भुगतान का रिकॉर्ड मौजूद रहता है। ऐसे में दस्तावेजों और मौके की सत्यापना का मिलान होने पर ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कार्य नियमानुसार हुआ है या नहीं। पंचायत के सभी कार्यों का हो भौतिक सत्यापन-शिकायतकर्ता ने प्रशासन

से मांग की है कि बहेरा नानकार पंचायत में संबंधित अधिच के दौरान स्वीकृत मरमेरा, खेत तालाब, जल संरक्षण, निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों की सुची तैयार की जाए। इसके बाद प्रत्येक कार्य का स्थल निरीक्षण कराया जाए। साथ ही पंचायत के रिकार्डों में दर्ज भुगतान की जानकारी को बैंक भुगतान, मास्टर रोल और निर्माण स्थल से मिलान कराने की कार्य की गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि किसी कार्य में कागजों पर भुगतान अधिक और मौके पर काम कम मिलता है तो उसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। जांच के बाद ही सामान्य आगयी वास्तविकता बहेरा नानकार पंचायत में लगाए गए आरोपों के बाद अन्वेषण प्रशासक निष्कर्ष जांच पर लोगों की नजर है। शिकायतकर्ता ने मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले लोगों पर कार्यवाई और शासकीय रणिक के दुरुपयोग का पुष्टि होने पर राशिक की वसुली की मांग की है।

दिव्यांगजनों को सशक्त बनाना और समाज की मुख्यधारा से जोड़ना हमारा नैतिक कर्तव्य : बी. के. दुर्गा
एनसीएल ने सीएसआर के तहत दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु किया टाई-साइकिल का वितरण

एनसीएल ने सीएसआर के तहत दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु किया ट्राई-साइकिल का वितरण

सिंगरौली कोल इंडिया की अनुपंगी कंपनी नॉर्द-कोलफ्रीड्स लिमिटेड (एसएसएल) ने सीएसआर के तहत जिला-देव्यांग पुनर्वास केंद्र के सोसल्य से दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु ट्राई-साइकिल का वितरण किया। एसपीसील मुख्यमन्त्री एस.आयोजित इस कार्यक्रम में सिंगरौली और सोनभद्र परिक्षेत्र के 10 दिव्यांगजनों को ट्राई-साइकिल दी गई। इस अवसर पर कुल्लुआ में मंडल, सिंगरौली की अध्यक्ष गी. दुर्गा बतौर मुख् अतिथि उपस्थित रहें। इस दौरान अपने उद्घोषन में गी. दुर्गा ने दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने को सबका नैतिक कर्तव्य बताया। इस अवसर पर कार्यक्रम में कृत महिला मंडल व ज्योत्सना महिला समिति की उपाध्यक्ष मन्मता कुमर, शीला द्विवेदी, रूबी जायसवाल व कृत महिला मंडल के ज्योत्सना महिला समिति की अन्य सदस्याएं भी उपस्थित रहें।

ट्राई-साइकिल मिलने से लाभार्थियों के दैनिक जीवन में सीधा और सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे और अपनी दैनिक आवश्यकताओं तथा कार्यों के लिए स्वतंत्र रूप से कहीं भी आ-जा सकेंगे। इसके साथ ही, ट्राई-साइकिल दिव्यांगजनों के लिए शिक्षा और आजीविका के नए रास्ते खोलेंगे। अब वे बिना किसी बाधा के स्कूल, कॉलेज, बाजार या अपने कार्यस्थल तक पहुँच सकेंगे। इससे उनके समय और ऊर्जा की बचत होगी, जिससे उनका जीवन सुगम और सम्मानजनक बनेगा। कार्यक्रम में ट्राई-साइकिल प्राप्त करने के पश्चात् लाभार्थियों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने इस मानवीय पहल के लिए एनसीएल को धन्यवाद दिया।



कलेक्टर ने अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के लिए निर्देश

मङ्गलग्न। स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त को गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित किए जाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा समारोह की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। कलेक्टर एवं जिला दफ्ताधिकारी संजय कुमार जैन ने संबंधित अधिकारियों को सौंप गए दायित्वों का समर्थन-सीमा में निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अपर कलेक्टर पी.के. पाण्डेय को स्वतंत्रता दिवस समारोह की समग्र व्यवस्थाओं का प्रभारी बनाया गया है। डिप्टी कलेक्टर अजित मिश्रा सहायक प्रभारी के रूप में सहयोग करेंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह की सुरक्षा



व्यवस्था का दायित्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शशिकांत शुक्ला को सौंपा गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था के लिए एसडीएम मऊजुंग रश्मि चतुर्वेदी, जिला पंचायत समन्वयक राजेश तिवारी तथा तहसीलदार हनुमना शिवम गौतम को जिम्मेदारी दी गई है। समावेश स्थल पर वाटरग्राफ टेंट, कुर्सी, टेबल, सोफा, पेयजल एवं साउंड सिस्टम सहित आवश्यक व्यवस्थाओं का दायित्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी संतोष सिंह को सौंपा गया है।

मऊजुंग बी.के. पटेल लॉज के बैठक व्यवस्था एवं व्यवस्था सुनिश्चित करने में सुनील द्विवेदी स्वतंत्र परिवार एवं भूतपूर्व व्यवस्था की जिम्मेदारी तहसीलदार नईगाँव स्थल पर पुरस्कार विजेता



व्यवस्थाओं का दायित्व दिया गया है। इसी प्रकार मुख्य नगर पालिका अधिकारी हनुमान सुरेश कुमार लालवानी को डबल माडक, जनरेटर एवं प्रकाश व्यवस्था की निगरानी करेंगे। अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग राजेश श्रीवास्तव परेड ग्राउंड एवं मंच की संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। विकासखंड शिक्षा अधिकारी मऊरज शत्रुघ्न प्रसाद मिश्रा को परेड ग्राउंड में विद्यार्थियों का उपस्थिति एवं बैठने की व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया है। संबंधित अधिकारियों के कार्यक्रम प्रारंभ होने से एक घंटे पूर्व समारोह स्थल पर उपस्थित होकर अपने दायित्वों की निगरानी करने तथा आवश्यकतानुसार अधीनस्थ कर्मचारियों को साथ रहें। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में किसी भी स्तर पर व्यवस्थाओं में कमी नहीं रहे। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए तैयारियां समय पर पूर्ण करें, ताकि जिले का मुख्य समारोह राष्ट्रीय भावना, अनुशासन और गरिमा के अनुरूप भव्य एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो।

